

## International Year of Cooperative: - Activities Wise Report in respect of Himachal Pradesh

Criteria	Details
Sector	PACS/ DCCB/StCB/Diary/Fisheries
Location	All over Himachal Pradesh/in all AR Circles of Himachal Pradesh
Event/Activity Name	Various workshops and training camps under IYC, FLC, AGMs, Cooperative Education Awareness Camps, Drug de-addiction camps, Cleanup Drives, Tree Plantation Drives, and Youth Awareness camps in schools.
Brief Information on the Activity	Multiple cooperative societies convened Annual General House meetings, encouraged community participation, and raised awareness about the cooperative movement, Workshop on best practices in PDS and address by State resource person of Competition Commission of India (CCI), Workshop on modern and best practices in fisheries sector in collaboration with Fisheries Department, Training program on Organic Farming, CSC Training for PACS Secretaries, Awareness workshop on cooperation among cooperatives in Health and other sectors, Cleanliness Drives, and Tree plantation drives as part of the "Ek Ped Maa Ke Naam" initiative.
Objective	<ul style="list-style-type: none"> <li>• To build the capacity of society representatives and employees.</li> <li>• To build digital skills among PACS Secretaries to enable CSC service delivery.</li> <li>• To promote modern farming practices using agriculture drones and IFFCO Kisan Uday app.</li> <li>• To strengthen cooperative values and principles.</li> <li>• To strengthen the cooperative movement and diversify the activities.</li> <li>• To Promote transparency and accountability in Cooperative Societies</li> <li>• To Encourage educational and Welfare activities</li> <li>• To develop basic financial literacy skills among people at Panchayat Level.</li> <li>• To bring awareness about the cooperative movement among BOD members of Cooperative and Common people.</li> <li>• To ensure more and more participation of the members in the day to day activities of the cooperative societies and make them aware.</li> </ul>
Number of Participants	<b>1783</b>
Achievements & Outcomes	<ul style="list-style-type: none"> <li>• People were made aware of the schemes undertaken by the GoI in the cooperative sector.</li> <li>• Strengthened cooperative sector's commitment to community service.</li> <li>• Participants gained knowledge about centrally sponsored schemes and their benefits.</li> <li>• Participants gained knowledge about Nano fertilizer, leading to expected improvement in soil health, reduced traditional fertilizer use, environmental conservation, cost savings, and increased farm productivity.</li> <li>• Development of understanding regarding best practices in respect of PDS and provisions of CCI.</li> <li>• Training on PACS Computerization helped societies understand digital integration for better operational efficiency.</li> <li>• Discussions with cooperative stakeholders led to suggestions for improving the implementation of schemes.</li> <li>• Enhanced environmental awareness among society members and the local community</li> </ul>
Photographs & AV Control	Photos have been attached separately.
Additional Remarks	All Societies have been directed by field functionaries during IYC meetings to perform the different activities to celebrate the year of cooperative as per calendar circulated.



Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय  
Government of India | भारत सरकार



International Year  
of Cooperatives

Cooperatives Build a Better World

# International Year of Cooperative

## Activity-Wise Report for Himachal Pradesh (April)

A special event was organized at the Tehsil Cooperative Union in District Solan, Himachal Pradesh, with a central focus on strengthening the cooperative movement to ensure better service delivery to the public. The program was chaired by **Hon'ble Deputy Chief Minister and Cooperative Minister of Himachal Pradesh Sh. Mukesh Agnihotri**, in the esteemed presence of the **Hon'ble Health and Family Welfare Minister of Himachal Pradesh Sh. Dhani Ram Shandil**. Both leaders highlighted the transformative role of cooperatives in rural development, employment generation, and inclusive growth. The gathering attracted active participation from local stakeholders, and community representatives.

In addition, a range of impactful activities was organized across Himachal Pradesh, including Annual General Meetings (AGMs), financial literacy camps, cooperative education and awareness camps, cleanliness drives, training on digital tools of cooperatives(PACS), youth awareness and organic farming campaign under **“Our Power Our Planet”** and tree plantation drive as part of the **“Ek Ped Maa Ke Naam”** initiative. These initiatives resonated with the core objectives of the Ministry of Cooperation and the spirit of the International Year of Cooperatives (IYC), focusing on community empowerment, ecological responsibility, and grassroots cooperative development.







Tree Plantation Drive Plan under "Ek Ped Maa Ke Naam"















# Youth Awareness Camps



















## Meetings and Training Workshops under IYC























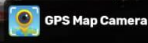








Ratti, Himachal Pradesh, India  
Jw34+w9m, Dhangu Rd, Ratti, Ner Chowk, Himachal Pradesh 175008, India  
Lat 31.60486° Long 76.905896°  
28/03/25 12:31 PM GMT +05:30







Shot on OnePlus  
By punit hawa



Shot on OnePlus  
By punit hawa



Shot on OnePlus  
By punit hawa





1 Apr 2025 12:00:40 pm  
Hospital Road  
Padhar  
Mandi Division  
Himachal Pradesh



1 Apr 2025 12:00:35 pm  
Hospital Road  
Padhar  
Mandi Division  
Himachal Pradesh



1 Apr 2025 2:06:04 pm  
Hospital Road  
Padhar  
Mandi Division  
Himachal Pradesh



1 Apr 2025 2:06:08 pm  
Hospital Road  
Padhar  
Mandi Division  
Himachal Pradesh







🌿 Cleanliness Drives 🌿

---







मुख्यमंत्री सुखू ने शिमला में किया राज्य सहकारी बैंक की नई पहल का शुभारंभ

# सहकारी समितियों के सोलह लाख सदस्यों को रियायती दरों पर ऋण

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुखू ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता पर हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक से जुड़ी सहकारी समितियों के प्राथमिक सदस्यों को रियायती ब्याज दर पर ऋण प्रदान करने का शुभारंभ किया।

बैंक के अध्यक्ष देविंद्र श्याम ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बैंक से जुड़ी सहकारी समितियों के 16 लाख प्राथमिक सदस्यों की ऋण आवश्यकताओं को रियायती दरों पर पूरा करने के साथ-साथ वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, कृषि विकास को समर्थन देना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इससे पात्र सदस्य सभी लागू योजनाओं पर कार्ड दरों से 0.10 आधार अंक नीचे ऋण प्राप्त कर सकते हैं। यानी प्रचलित दरों पर 0.10 फीसदी कम ब्याज देना होगा। इसमें अल्पकालिक और मध्यम अवधि के कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की ऋण योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सहकारी मूल्यों और सिद्धांतों के माध्यम से हम एक बेहतर दुनिया का निर्माण कर सकते हैं। इस पहल से हम सहकारी



समितियों के साथ अपनी साझेदारी को और अधिक मजबूत करना चाहते हैं और उनके सदस्यों को सशक्त बनाना चाहते हैं। इस पहल का उद्देश्य प्राथमिक सदस्यों को वित्तीय समर्थन प्रदान करना है, जिससे उनके आर्थिक विकास और कल्याण को बढ़ावा मिल सके।

रियायती ऋण प्रदान कर हम कृषकों और अन्य सदस्यों में आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देना चाहते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता की मजबूती के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं उस दिशा में बैंक के इस प्रकार के प्रयास निश्चित रूप से इस मुहिम को सही दिशा में आगे बढ़ाने हेतु कारगर साबित होंगे। यह पहल सदस्यों और राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक बदलाव लाएगी।

कैबिनेट के 789 निर्णय क्रियान्वित 42 समय पर लागू करने के निर्देश

शिमला। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक हुई। बैठक में आयुष, युवा सेवाएं खेल व विधि मंत्री यादविंद्र गोमा भी मौजूद रहे। इस

**मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक** दौरान मंत्रिमंडल की बैठकों में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा की गई। इस दौरान नेगी ने कहा कि 13 जनवरी, 2023

से 31 दिसंबर, 2024 तक हुई मंत्रिमंडल की बैठकों में 831 निर्णय लिए गए, जिनमें से 789 फैसलों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा चुका है। शेष बचे 42 निर्णयों को लेकर चर्चा की गई, जिनमें जलशक्ति, कृषि, वित्त, बागवानी, कार्मिक और लोक निर्माण विभाग से जुड़े निर्णय शामिल हैं। इस दौरान जगत सिंह नेगी ने अधिकारियों को इन निर्णयों को समयबद्ध कार्यान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में सदस्य सचिव हरबंस सिंह ब्रसकोन और संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग कुलविंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। ब्यूरो

## दुग्ध उत्पादन कारोबार बढ़ा रहा आर्थिकी

कुल्लू जिले में बागवानी व पर्यटन कारोबार के साथ अब दुग्ध कारोबार में भी बढ़ रहा लोगों का रुझान

कमलेश वर्मा, कुल्लू

कुल्लू जिले में बागवानी जहां लोगों की आर्थिकी की रीढ़ है वहीं, अब दुग्ध उत्पादन कारोबार भी अब धीरे धीरे लोगों की जेब भरने में सहायक सिद्ध हो रहा है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप दुग्ध उत्पादन सभाएं बढ़ रही हैं, जिससे पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और दूध का उत्पादन भी बढ़ रहा है।

वात यदि कुल्लू जिले की करें तो जिला में भी दुग्ध उत्पादन सभाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है। वहीं, बागवानी व पर्यटन कारोबार के साथ-साथ कुल्लू जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अब दुग्ध उत्पादन भी लोगों की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। खासकर कुल्लू जिले के विकास खंड आनी व निरमंड में वर्तमान समय में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन सभाएं कार्य कर रही हैं। जिले में वर्ष 2024-25 में 101 नई सभाएं पंजीकृत हुई हैं। विभाग की ओर से इन सभी नई सभाओं का पंजीकरण कर लाइसेंस जारी कर



पांच विकास खंड में कहां कितनी सभाएं

खंड	सभाएं
कुल्लू	23
बंजार	20
आनी	88
निरमंड	73
नगर	22

दिए हैं। लिहाजा, कुल्लू जिले में दुग्ध उत्पादन सभाओं का दायरा लगातार बढ़ने लगा है और दायरा बढ़ने के साथ ही कारोबार में भी इजाजा हो रहा है। वर्तमान में 226 दुग्ध उत्पादन सभाएं पंजीकृत हैं, जिन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में 128.60 करोड़ के करीब कारोबार किया है।

गौरतलब है कि कुल्लू जिले में हथकरघा और हस्तशिल्प सभाओं के बाद दुग्ध उत्पादन सभाएं ही

पशुपालकों व किसानों को हो रहा फायदा

जिले में दुग्ध उत्पादन सभाओं का पंजीकरण होने से दूध का कारोबार करने वाले ग्रामीणों को आर्थिक तौर पर फायदा मिल रहा है। ग्रामीणों को कम मेहनत में मुनाफा सभाओं के माध्यम से मिल रहा है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक सहायता दे रहा है, साथ ही यह कारोबार पशुपालकों और किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुखू का सपना है कि हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करव है और हर गरीब परिवार व महिला को सशक्त करव है। हिमाचल की सभी पंचायतों व गांवों में दुग्ध सोसाइटीयां स्थापित की जाएगी ताकि महिलाओं व युवाओं को घर-घर पर रोजगार के अवसर मिलें और आय का साधन विकसित हो। सरकार इसके लिए लगातार प्रयत्नरत है।

-बुद्धि सिंह ठाकुर, पंचरम प्रदेस मिष्क प्रोड्यूसर फेडरेशन (मिष्कफेड)

कुल्लू जिले में वर्तमान समय में कुल 226 दुग्ध उत्पादन सभाएं पंजीकृत हैं। विभाग की ओर से समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में इस कारोबार को लेकर रुझान बढ़ रहा है और लोगों की आर्थिकी भी बढ़ रही है। विभाग दुग्ध उत्पादन सभाओं को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

-उजेश जसवाल, सहायक पंजीयक (अतिरिक्त कार्यभार) सहकारिता विभाग, कुल्लू

सबसे अधिक हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में दूध का कारोबार अधिक होता है।

बागवानी के बाद दुग्ध उत्पादन यहां के लोगों की आर्थिकी का मुख्य साधन है। कुल्लू जिला सहकारिता विभाग के पास विकास खंड नगर,

कुल्लू, भुंतर, बंजार, आनी और निरमंड में 31 मार्च 2024 तक जहां 153 दुग्ध उत्पादन सभाएं थीं, वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 226 हो गई है, जो दर्शाता है कि दुग्ध कारोबार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। (अनंत ज्ञान)

# Himachal: सीएम सुखू बोले- सहकारी समितियों के 16 लाख प्राथमिक सदस्यों को रियायती ब्याज दर पर मिलेगा ऋण

अमर उजाला ब्यूरो, शिमला Published by: [Krishan Singh](#) Updated Fri,  
09 May 2025 05:54 PM IST

**सार**

37699 Followers

शिमला ☆

सीएम सुखू ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता पर हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक से जुड़ी सहकारी समितियों के प्राथमिक सदस्यों को रियायती ब्याज दर पर ऋण प्रदान करने का शुभारंभ किया।



शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता परशुराम अवाडी डॉ. संजय कुमार यादव के पुत्र हैं, जोकि खुद एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है और हिमाचल प्रदेश के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं।

## सहकारी सभा ने 141 सदस्यों को बांटा लाभांश



सुंदरनगर। दी महादेव बहुउद्देश्यीय सहकारी सभा सीमित महादेव का वार्षिक अधिवेशन मंगलवार को प्रधान लाभ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। अधिवेशन में सामान्य एजेंडों पर चर्चा के साथ-साथ सदस्यों को लाभांश वितरित किया गया। इसके

साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत स्थानीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें स्थानीय स्कूलों के मेधावी विद्यार्थी व वरिष्ठ सहकार शामिल रहें। प्रधान लाल सिंह ने ने बताया अधिवेशन में सभा के 141 सदस्यों को भागधन लाभांश वितरित किया गया तथा वर्ष 2024-25 को पड़ताल नोट भी पढ़ कर सुनाया गया। जिस पर सभी सदस्यों ने संतोष प्रकट किया। उन्होंने बताया इस मौके पर सभा की चुनाव प्रक्रिया आगामी मई माह से आरंभ करने का भी निर्णय लिया गया। अधिवेशन में ग्राम पंचायत महादेव के प्रधान नील कमल, घांघल पंचायत के प्रधान प्रताप टाकुर, उप प्रधान अमर सिंह, सभा के सचिव मान सिंह चौधरी, निदेशक मंडल के सदस्य रामदास, रविंद्र कुमार व मुनीलाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

पढ़ने में धरो विशेष वाल पाली कल

कोल स्वरो एनट है। प सीए महिल कौश आयो मेकिं कटा

ने 117 रन बनाए और कोलहका की टीम मात्र 87 रन ही बना पाई। दूसरा सेमिफाइनल ढंडाल और चलहर के

आयोजकों को 10 हजार रुपये की राशि दी। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। (संस)

## सभा ने 141 सदस्यों को बांटा लाभांश

सुंदरनगर : दी महादेव बहुउद्देश्यीय सहकारी सभा सीमित महादेव का वार्षिक अधिवेशन प्रधान लाभ सिंह की अध्यक्षता में हुआ। अधिवेशन में सामान्य एजेंडा पर चर्चा के साथ सदस्यों को लाभांश वितरित किया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत स्थानीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। प्रधान लाल सिंह ने बताया कि अधिवेशन में सभा के 141 सदस्यों को भाग धन लाभांश वितरित किया गया। इस मौके पर सभा की चुनाव प्रक्रिया मई माह से आरंभ करने का भी निर्णय लिया गया। अधिवेशन में ग्राम पंचायत महादेव के प्रधान नील



अधिवेशन में मेधावी छात्रा को सम्मानित करते पप्रधान नील कमल ● जागरण

कमल, घांघल पंचायत के प्रधान प्रताप टाकुर, उप प्रधान अमर सिंह, सभा के सचिव मान सिंह चौधरी, सदस्य रामदास, रविंद्र कुमार व मुनीलाल सहित सदस्य मौजूद रहे। (संस)

# THANK YOU